भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2666
जिसका उत्तर बुधवार 10 अगस्त, 2016 को दिया जाना है

हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन, रांची के पुनरुद्धार की योजना

2666. श्री महेश पोद्दार:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रांची स्थित हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) के पुनरुद्धार की कोई योजना बनायी गयी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एचईसी का उपयोग रक्षा उपकरणों के उत्पादन हेतु करने का कोई विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): मैसर्स मैकॉन द्वारा एचईसी के लिए एक पुनरुद्धार सह आधुनिकीकरण योजना तैयार की गई थी जिसमें एचईसी के संयंत्रों और सुविधाओं की व्यापक मरम्मत की परिकल्पना की गई थी। इस योजना में आगे और वृद्धि की गई है तथा एचईसी के संयंत्रों एवं प्रणालियों की और अधिक व्यापक मरम्मत के लिए इसमें अतिरिक्त स्कीमें शामिल की गई हैं। आकस्मिक व्यय, आईडीसी और संचालन-पूर्व खर्चों को शामिल करने के पश्चात् आधुनिकीकरण की कुल लागत ₹956.48 करोड़ बैठती है।

(ग) और (घ): एचईसी ने सूचित किया है कि उन्होंने नाभिकीय एवं रक्षा मदों के लिए प्रौद्योगिकी हेतु रूस की सिनिटमैश (CINITMASH) के साथ तथा संयुक्त सहयोग के अंतर्गत रोसेटम द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के लिए कलपुर्जों एवं स्पेयर पार्ट्स के लिए रोसेटम, दि स्टेट एटोमिक एनर्जी कार्पोरेशन, मास्को के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

****